भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

निर्गम - परिणाम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क दस्तावेज: 2021-22

मांग सं. 61

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

(500 करोड़ रूपए या इससे अधिक वित्तीय परिव्यय वाली योजनाएं)

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. राष्ट्रीय नदी संरक्षण कार्यक्रम - नमामि गंगे (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
850.01	1. गंगा में सीवेज के प्रत्यक्ष निर्वहन को रोकना और सीवेज का उपचार।	1.1. संचयी मलजल उपचार स्थापित क्षमता (एमएलडी में)	28	1. बेहतर जल गुणवत्ता गंगा में निर्वहन से पहले सीवेज का उपचार और 2022 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करना।	1.1. गंगा में बहाए जाने से पहले उपचार किए गए सीवेज की मात्रा (एमएलडी में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					1.2. औसत बी.ओ.डी. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	3
		1.2. संचयी सीवेज उपचार क्षमता संचालन (एमएलडी में)	28		1.3. औसत डी.ओ. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	5

2. राष्ट्रीय गंगा योजना एवं घाट निर्माण कार्य - नमामि गंगे (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
600.01	I. राष्ट्रीय गंगा योजना					
	1. गंगा में औद्योगिक कचरे के प्रत्यक्ष निर्वहन के विनियमन और जल की गुणवत्ता की निगरानी के माध्यम से प्रदूषण का उन्मूलन।	1.1. गैर-अनुपालन वाले सकल प्रदूषणकारी उद्योगों के % में परिवर्तन।	100%	1. 2022 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए पानी की गुणवत्ता में सुधार।	1.1. औसत बी.ओ.डी. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	3
		1.2. अतिरिक्त मैनुअल जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संख्या	0		1.2. औसत डी.ओ. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	5
		1.3. मैन्युअल जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संचयी संख्या।	97			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
		1.4. अतिरिक्त रियल टाइम जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संख्या स्थापित	40[82]			
		1.5. स्थापित रियल टाइम जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संचयी संख्या।	76			
	2. गंगा में सीवेज के सीधे निर्वहन को रोकना और सीवेज का उपचार।	2.1. सीवेज उपचार क्षमता स्थापित (एमएलडी में)	280	2. 2022 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए पानी की गुणवत्ता में सुधार।	2.1. गंगा में बहाए जाने से पहले उपचारित सीवेज की मात्रा। (एमएलडी में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		2.2. संचयी सीवेज उपचार क्षमता संचालन (एमएलडी में)	280			
	3. नदी के किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचा।	3.1. नवनिर्मित घाटों की संख्या।	7	3. सार्वजनिक भागीदारी के लिए सामाजिक आउटरीच बढ़ाना और स्वस्थ और स्वच्छ प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।	3.1. घाट और श्मशान घाट पर फुटफॉल में % परिवर्तन।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.2. आधुनिक / नवीनीकृत किए गए घाटों की संख्या।	0			
	4. श्मशान अनुष्ठानों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा, गंगा नदी में निस्सृत शवों को रोकना	4.1. नवनिर्मित शवदाहगृहों की संख्या	2			
		4.2. शवदाहगृहों का आधुनिकीकरण/ नवीनीकरण	0			

[82] *40 नए आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस स्थापित किए जाने हैं, 36 मौजूदा आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
	5. आईईसी गतिविधियाँ	5.1. (गंगा स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा और वृक्षारोपण अभियान आदि) के दौरान, स्थानीय पर्वों एवं कार्यक्रमों के दौरान कार्यक्रम, जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन से संबंधित कार्यक्रमों के दौरान प्रदर्शनियां तथा अन्य सार्वजनिक रूप से महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के दौरान आईईसी गतिविधियां। (हाँ/ नहीं)	हाँ	4. आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता और व्यवहार में परिवर्तन।	4.1. धारणा सर्वेक्षण से अभियान का % रिकाल तथा इसकी विशेषता।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	6. स्वच्छ गंगा के लिए गंगा नदी के बेसिन में जलीय प्रजातियों का संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का रखरखाव हेतु योजना एवं प्रबंध।	6.1. गंगा बेसिन में सहायक नदियों के सभी क्षेत्रों (8) में किए जाने वाले पारिस्थितिक सर्वेक्षणों की संख्या।	2	5. डिजिटल और प्रिंट मीडिया में वैज्ञानिक और आउटरीच सामग्रियों के विकास में प्रजातियों के उपयोग से संबंधित वितरण जानकारी।	5.1. वैज्ञानिक और आउटरीच सामग्री के साथ प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या।	10,00
		6.2. जैव विविधता और नदी आवास की निगरानी, और बचाव कार्यों के लिए विभिन्न पणधारियों (वन विभागों, पशु चिकित्सकों, स्थानीय	15	6. गंगा बेसिन में चुनिंदा सहायक नदियों पर राज्यों की स्पीयरहेड टीमों की स्थापना।	6.1. अपने संबंधित राज्यों में प्रशिक्षित जनशक्ति द्वारा संरक्षण गतिविधियों के लिए समर्पित समय। (मानक दिवस आधार पर)	1,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		समुदाय आदि) के लिए आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या।				
		6.3. गंगा बेसिन में किए गए जागरूकता और संवेदीकरण कार्यशालाओं की संख्या।	100	7. नदी और जैव विविधता संरक्षण के प्रति स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों को जागरूक करना और जुटाना।	7.1. हितधारकों की संख्या संवेदनशील और लामबंद।	1,000
		6.4 आजीविका विकास के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	20	8. स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों द्वारा स्थायी आजीविका प्रथाओं को अपनाना।	8.1. स्थायी आजीविका गतिविधियों को प्रशिक्षित और अभ्यास करने वाले लाभार्थियों की संख्या।	500
		6.5 कैडर में नामांकित गंगा प्रहरियों की संख्या।	100	9. गंगा प्रहरियां संरक्षण गतिविधियों में शामिल हैं।	9.1. संरक्षण गतिविधियों के संचालन के लिए गंगा प्रहरियों द्वारा समर्पित समय। (मानक दिवस आधार पर)	1,000
		6.6 उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में गंगा में गिने जाने वाले कार्प फ़िंगरलिंग की संख्या।	8,00,000	10. गंगा नदी की मत्स्य जैव विविधता में सुधार। मछुआरा समुदायों के बीच मछली की जैव विविधता के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना।	10.1. प्रयास में प्रति यूनिट घंटे के आधार पर सुधार।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		6.7 महाशीर (कीस्टोन प्रजाति) ब्रूडर्स की संख्या विकसित हुई।	50		10.2. महाशीर आबादी में वृद्धि (प्रयोगात्मक मछली पकड़ने या मछुआरों का सर्वेक्षण करके) (किलोग्राम	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[83]

[83] *चूंकि ब्रूडर 2-3 वर्षों में विकसित होंगे इसलिए परिणाम की गणना उनके बंद होने पर होगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
		6.8 फर्राका धारा में वयस्क हिल्सा की संख्या।	7,000		10.3. फरक्का में हिलसा की अपस्ट्रीम में बढ़ती उपलब्धता इलाहाबाद तक (हाँ / नहीं)	हाँ
		6.9 साइट की संख्या- मछुआरों के लिए आयोजित विशेष जागरूकता सह प्रशिक्षण।	50		10.4. प्रशिक्षित मछुआरों की संख्या।	1,500
	7. वृक्षारोपण क्षेत्रफल में बढोत्तरी।	7.1 वनीकरण के तहत कवर किया गया अतिरिक्त क्षेत्र (हे. में)[84]	5,000	11. वर्षा की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार, जो नदी और अविरल धारा की पूर्णता में सुधार लाने के उद्देश्य में योगदान देगा।	11.1. पौधों का % अस्तित्व।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [85]
		7.2 संचयी वनीकरण क्षेत्र बनाए रखा जा रहा है (5 वर्ष की अवधि) (हे. में)	26,764			
0.01	I. **घाटों तथा नदी फ्रंट का सौन्दर्यीकरण**					
	1. नदी के किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचा	1.1. नवनिर्मित घाटों की संख्या।	2	1. सार्वजनिक भागीदारी के लिए सामाजिक आउटरीच बढ़ाना और स्वस्थ और स्वच्छ प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।	1.1. घाट और श्मशान घाट पर फुटफाल में बढोत्तरी।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. नवनिर्मित घाटों की संख्या।	4			

[84] *एमओईएफ एवं सीसी द्वारा नेशनल एवं स्टेट कंपा निधि द्वारा किया जाएगा।*

[85] *माध्यमिक परिणाम। वित्त वर्ष 16-20 की अवधि हेतु मेड-टर्म मूल्यांकन की योजना है जो वित्त वर्ष 21-22 में की जाएगी।*

3. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
5588.49 (एचकेकेपी बजटरी संसाधन) (रुपए 3600 करोड़ की ऋण सेवा सहित)	I. ***त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी)***					
	40 *परियोजनाओं (चरणों सहित) एआईबीपी का शीघ्र कार्यान्वयन।*	1.1. मार्च 2022 तक पूरा करने के लिए लक्षित एआईबीपी परियोजनाओं की संख्या।	10	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण	1.1. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के माध्यम से कुल अतिरिक्त सिंचाई संभावित (लाखो हेक्टेयर में) बनाया गया	3.5
					1.2. पीएमकेएसवाई -एआईबीपी के माध्यम से निर्मित बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से सिंचाई क्षमता का %	100%[86]
		1.2. एआईबीपी के अंतर्गत संभावित रूप से पूरी की गई परियोजनाएं (संचयी)	54	2. फसलों की उपज में वृद्धि और किसानों की आय में वृद्धि; भूजल की पुनःपूर्ति और अन्य उपयोगों के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि।	2.1 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी से बढ़ी हुई सिंचाई के कारण फसल की उपज में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					2.2 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के कारण भूजल स्तर में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	II. ***हर खेत को पानी (एचकेकेपी)***					
	1. ***कमान क्षेत्र विकास तथा जल प्रबंधन (सीएडीडब्ल्यूएम)***					
	1. सीएडीडब्ल्यूएम पहचान की गई तथा प्राथमिक परियोजनाओं में काम करता है	1.1. अतिरिक्त कल्चरल कमांड एरिया (हा) कवर (लाख हे. में)[87]	2	1. सृजित और उपयोग की जाने वाली क्षमता के बीच अंतर को कम करें	1.1. अतिरिक्त खेती योग्य कमांड क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का उपयोग (लाख हेक्टेयर में)	2
		1.2. जल उपयोगकर्ता के अतिरिक्त संघों का	400	2. सहभागितापूर्ण सिंचाई प्रबंधन को	2.1 जल उपयोगकर्ता संघों के माध्यम से भागीदारी सिंचाई प्रबंधन के	2

[86] सीएडीडब्ल्यूएम का कार्य पूरा होने पर, कृषि विस्तार आदि कार्य।

[87] 2.00 लाख हेक्टेयर के बकाया कृषि कमान क्षेत्र में सीएडी कार्य

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		निर्माण		मजबूत करना	लिए कवर किया गया कमान क्षेत्र । (लाख हेक्टेयर में)	
		1.3. जल उपयोगकर्ता संघों को सौंपी गई संपत्ति की संख्या [88] (अतिरिक्त)	300			
	2. ***सतही लघु, सिंचाई तथा जल निकायों की बहाली तथा नवीनीकरण***					
	1. योजना के आरआरआर / एसएमआई घटकों पर तेजी से कार्रवाई करें।	1.1. आरआरआर और एसएमआई परियोजनाओं की पूरी की गई अतिरिक्त संख्या (परियोजना / जल निकाय)	100	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण	1.1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	0.5
	3. ***भूजल सिंचाई***					
	1. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: गुजरात	1.1. सुरक्षित[89] ब्लाकों/जिलों में पंप तथा पाइप से बने कुओं की संख्या: चरण-।। गुजरात में	2,512	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	1.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	3,768
				2. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	2.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,655
	2. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: अरूणाचल प्रदेश चरण ।।	2.1. सुरक्षित[90] ब्लॉकों/ जिलों में पंप, पाइप/ के साथ निर्मित कुंओं की सं.: अरूणाचल प्रदेश चरण ।।	519	3. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	3.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	1,957
				4. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	4.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,633

[88] *डब्ल्यूयूए तथा संयची डब्ल्यूयूए को अब तक सृजित 8391 परिसंपत्तियों में से 2900 परिसंपततियां सौंप दी गईं*

[89] *इस योजना के कार्यान्वयन के बाद जीडब्ल्यू का 70 प्रतिशत से अधिक विकास नहीं होना चाहिए।*

[90] *7 राज्यों ने फील्ड कार्य पूरा कर लिया है, 12 राज्यों में दिसंबर 2020 तक पूरा होने की संभावना है। वित्त वर्ष 20-21 के अंत तक इन 19 राज्यों के लिए डेटा प्रविष्टि और सत्यापन पूरा हो जाएगा। 14 राज्यों को फ़ील्ड कार्य, डेटा प्रविष्टि और सत्यापन को दिसम्बर '21 तक पूरा करना है ।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: नागालैंड	3.1. सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों में पंप, पाइप / के साथ निर्मित कुओं की संख्या: नागालैंड	262	5. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	5.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	667
				6. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	6.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	264
	4. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: मणिपुर	4.1. सुरक्षित ब्लॉकों जिलों में पंप, पाइप / के साथ निर्मित कुओं की संख्या: मणिपुर	550	7. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	7.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	2,057
				8. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	8.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	1,445
	5. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: मिजोरम	5.1. सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों में पंप, पाइप / के साथ निर्मित कुओं की संख्या: मिजोरम	209	9. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	9.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	553
				10. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	10.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	411
15.00	III ***सिंचाई मतगणना -स्टैंड अलोन घटक***					
	1. 6वीं जनगणना के साथ अभिसरण में जल निकायों की जनगणना आयोजित करना	1.1. राज्यों/संघ राज्य प्रदेश (की संख्या) जिसमें छठी लघु सिंचाई जनगणना के फील्ड कार्य और राज्य/संघ राज्य प्रदेशों के द्वारा जल निकायों की प्रथम जनगणना से संबंधित कार्य पूरा किया जा चुका है	14	1. लघु सिंचाई क्षेत्र में योजना और नीति निर्माण की जानकारी दी।	1.1. जनगणना रिपोर्ट के डाउनलोड की संख्या - 6वीं एमआई जनगणना और साथ ही जल निकाय	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[91]

[91] *चूंकि छठी मध्यम सिंचाई गणना और जल निकायों की वर्ष 2018-19 में आरंभ की गई है। गणना रिपोर्ट 2020-22 तक प्रकाशित होने की संभावना है। फील्ड वर्क के पूर्ण होने की संभावना है जो चालू महामारी को प्रदर्शित कर सके। इसलिए लक्ष्य गणना रिपोर्ट के प्रकाशन हो चुकने पर ही परिचालन होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.2. राज्यों/संघ राज्य प्रदेश (की संख्या) जिसमें 6 वीं एमआई जनगणना और जल निकायों की जनगणना, डेटा प्रविष्टि, सत्यापन और अपडेशन सहित राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा डाटा प्रोसेसिंग गतिविधियों का कार्य पूरा हो गया है।	14		1.2. संस्थानों और संगठनों (निजी और सार्वजनिक) से प्राप्त डेटा अनुरोधों की संख्या - 6 वीं एमआई जनगणना और साथ ही जल निकाय जनगणना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[106]
					1.3. बनाई गई जनगणना रिपोर्ट के उद्धरणों / संदर्भों की संख्या - 6 वीं एमआई जनगणना और साथ ही जल निकाय जनगणना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [106]
400.00	**IV महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं हेतु विशेष पैकेज**					
	1. मध्यम और मध्यम सिंचाई (एमएमआई) और भूतल लघ् सिंचाई (एसएमआई) परियोजना का समीचीन कार्यान्वयन। 18 एसएमआई परियोजना पूरी की गई।	1.1. मार्च, 2022 तक पूर्ण की गई प्रमुख और मध्यम सिंचाई (एमएमआई) परियोजनाओं की संख्या	5	1. विशेष पैकेज के तहत परियोजनाओं की कमान में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण और उपयोग	1.1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण । (लाख हे. में)	1.5
					1.2. सिंचाई क्षमता का उपयोग [92]	100%[93]
		1.2. मार्च, 2022 तक अतिरिक्त सतही लघ् सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं की संख्या	65	2. फसलों की उपज में वृद्धि और किसानों की आय में वृद्धि; भूजल की पुनःपूर्ति और अन्य उपयोगों के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि।	2.1. महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष पैकेज से सिंचाई में वृद्धि के कारण फसल की उपज में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					2.2. महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष पैकेज के कारण भूजल स्तर में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[92] *आईपीयू, सीएडीडब्ल्यूएम कार्यों, कृषि विस्तार कार्यों आदि पर निर्भर करता है।*

[93] *सीएडीडब्ल्यूएम, कृषि विस्तार आदि कार्यों के पूरा होने पर।*

(500 करोड़ रूपए से कम वित्तीय परिव्यय वाली योजनाएं)

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

<u>श्रेणी-ख *(500* करोड़ रूपए से कम वित्तीय परिव्यय की योजनाएं*)*</u>

1. बाढ़ प्रबंधन तथा सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) - (केन्द्रीय प्रयोजित योजना) :

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
342.99	1. महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तथा नदी प्रबंधन का निष्पादन, कटाव-रोधी, बाढ़ नियंत्रण, नुकसान की पुनर्स्थापना, बाढ़ प्रबंधन कार्य और समुद्र-अपर कटाव कार्य	1.1. कुल बाढ़ प्रबंधन कार्यों को पूरा किया[1]	15	1. बाढ़ के कारण चयनित नदी के जलग्रहण क्षेत्र में नदी का कटाव में क्षेत्र की कमी	1.1. हस्तक्षेप के तहत कुल आबादी को लाभ हुआ	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।
					1.2. नए निर्माण कार्यों के कारण संरक्षित कुल क्षेत्र (लाख में)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।

[1] *नई परियोजनाएं आरंभ करने के लिए मार्च, 2021 के बाद की अवधि हेतु योजनाओं की रूप रेखा को अंतिम रूप दिए जाने के लिए नीति आयोग के अधीन एक समिति गठित की गई है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	2. भारत और नेपाल दोनों द्वारा, पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना (पीएमपी) की डीपीआर को अंतिम रूप देने, पीपीएम की पूर्व-निर्माण गतिविधियों और सप्त कोसी उच्च बांध और सूर्य-कोसी	2.1. भारत और नेपाल दोनों द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना की डीपीआर को अंतिम रूप देना (हां / नहीं)	जी, हां।	2. जल प्रबंधन, बाढ़ के कारण क्षति में कमी, चयनित नदी जलग्रहणों में नदी का कटाव और संबंधित निर्माण से पहले की गतिविधियाँ और बिजली उत्पादन।	2.1 पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना, जब निर्मित और चालू हो जाती है तो निम्नलिखित लाभ प्रदान करेगी: विद्युत: 5040 मे.वा. (भारत को 2520 मे.वा. तथा 2520 नेपाल को) सिंचाई: 0.43 मिलियन हे. (भारत को 0.26 एमएचए + नेपाल को 0.17 एमएचए)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है । [2]

[2] *चूंकि परियोजना डीपीआर की जांच स्टेज में है अतः इसके परिणामों की गणना नहीं की जा सकती।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	डाइवोर्स योजना आदि की तैयारी के साथ-साथ सीमा में अन्य बाढ़ प्रबंधन कार्यों को पूरा करने से जुड़ी परियोजनाएँ	2.2. सप्त कोसी उच्च बांध और उप-कोसी मोड़ योजना की डीपीआर तैयार करने की कार्रवाई (हां / नहीं)	जी, हां।		2.2 सप्त कोसी उच्च बांध, के निर्मित और चालू हो जाने पर निम्नलिखित लाभ प्रदान करेगा: बिजली (मेगावाट में) सिंचाई (मिलियन हे. में)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।[2]
		2.3. नेपाल के हिस्से में कोसी और गंडक नदी में तटबंधों का रखरखाव। (हाँ नही)	जी, हां।		2.3 नेपाल के हिस्से में कोसी और गंडक नदी में तटबंधों के रखरखाव से लाभान्वित कुल जनसंख्या।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।[2]

2. फरक्का बैराज परियोजना (एफबीपी) - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
97.00	1. फरक्का बैराज और जुड़ी संरचनाओं का प्रचालन और रखरखाव	1.1. फरक्का बैराज के पुराने फाटकों का प्रतिस्थापन-क्रेस्ट फाटकों की संख्या	24	1. फीडर नहर के माध्यम से अपलैंड आपूर्ति में वृद्धि जिससे भागीरथी हुगली नदी प्रणाली व्यवस्था और नौवहन क्षमता में सुधार और कोलकाता बंदरगाह का सफलतापूर्वक संरक्षण भारत-बांग्लादेश गंगा नदी जल संधि 1996 का सफल कार्यान्वयन।	1.1. हुगली-भगीरथी नदी प्रणाली में फीडर नहर जहाजों के आवागमन को सुगम बनाती है। (हाँ / नही)	जी, हां।
		1.2. फरक्का बैराज के पुराने फाटकों का प्रतिस्थापन-स्लुइस फाटकों के अंतर्गत	6			
		1.3. फरक्का बैराज के पुराने फाटकों का प्रतिस्थापन-फिश लॉक फाटकों की संख्या	4			
		1.4. फरक्का बैराज के मूल अधिकार क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर नदी / नहर के किनारों का संरक्षण /	360		1.2. फीडर नहर से एनटीपीसी थर्मल पावर प्लांट को 2500 क्यूसेक जलापूर्ति (हाँ / नहीं)	जी, हां।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		कटाव रोधी कार्य (मीटर में)[3]				
		1.5. फरक्का बराज की गेट ओपनिंग प्रणाली का आटोमेशन (प्रतिशत प्रगति)	0 %[4]			

3. जल संसाधन सूचना प्रणाली का विकास (डीडब्ल्यूआरआईएस) - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22

[3] *यह कार्य की प्रस्तावित लंबाई है। हालांकि, वास्तविक लंबाई को एफबीपी की 116वें टीएसी की मंजूरी के साथ बाद में तय किया जाएगा।*

[4] *टीएसी-एफबीपी की सिफारिश के अनुसार, यह निर्णय लिया गया है कि पहले सभी पुराने गेटों को बदला जाएगा और फिर एफबीपी द्वारा आटोमेशन कार्य आरंभ किया जाए।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
175.00	1. जल संसाधन सूचना प्रणाली के तहत आवश्यक डाटा बिंदुओं के संग्रह के लिए अवसंरचना विस्तार।	1.1. हाइड्रो-मेट्रोलॉजिकल डाटा संग्रह - हाइड्रो-मेट्रोलॉजिकल अवलोकन साइटों की संख्या जहां आर एंड एम किया गया है।	1753	1. i) डब्ल्यूआरआईएस का कवरेज बढ़ा	1.1 वेब पोर्टल से उत्पन्न डाटा के डाउनलोड की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		1.2. जल गुणवत्ता डाटा एकत्र करना- जल गुणवत्ता मॉनीटरिंग स्थलों की संचयी से जहां आर एवं एम किया गया है	658			
		1.3. जल गुणवत्ता डाटा एकत्र करना- जल गुणवत्ता प्रयोगशालाओं की संचयी से जहां आर एवं एम किया गया है	25			
		1.4. ऐसे राज्यों तथा साइटों की संकलित संख्या जहां	8			

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		तटीय प्रबंध सूचना प्रणाली लागू कर दी गई है				
		1.5. लाइव स्टोरेज (रीयल टाइम) के लिए मॉनीटर किए गए जलाशयों की संचयी संख्या	128			
	2. बाढ़ पूर्वानुमान गतिविधि के तहत कवरेज क्षेत्र और लीड टाइम में वृद्धि	2.1. वर्षा आधारित हाइड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल- बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों की संचयी संख्या जहां आरएंडएम किया गया है।	328	2. बाढ़ के कारण जान-माल की हानि को कम करना	2.1 328 पूर्वानुमान स्टेशनों से लोगों, पशुधन को समय पर स्थल को खाली कराने हेतु उत्पन्न पूर्वानुमानों की संख्या	8,000[5]
		2.2. वर्षा आधारित हाइड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल – जोड़े	0	3. रीयल टाइम आधार पर डाटा प्राप्त करना	3.1 रियल टाईम आधार पर सभी 1093 हाइड्रोलॉजिकल अवलोकन साइटों से डाटा अधिग्रहण (किया	किया गया

[5] *हालांकि, पूर्वानुमान की सटीक संख्या 2021-22 में मानसून की स्थिति पर निर्भर करेगी।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		गए बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों की संचयी संख्या			गया / नहीं किया गया)	
		2.3. रियल टाईम डाटा अधिग्रहण प्रणाली की स्थापना – स्टेशनों की संचयी संख्या जहां आरएंडएम किया गया है	968	4. बाढ़ के विभिन्न स्तरों पर जलमग्न होने की भविष्यवाणी	4.1 नदी बेसिन क्षेत्रफल जहां बाढ़ की पूर्वानुमान सेवाएं प्रदान की जाती हैं। (कि.मी^{2} में)	50,000
		2.4. रियल टाईम डाटा अधिग्रहण प्रणाली की स्थापना – अतिरिक्त स्टेशनों की संख्या जहां स्थापना की जानी है	125			
		2.5. सीडब्ल्यूसी-गूगल सहयोग का उपयोग करके इनअनडेशन पूर्वानुमान के साथ सक्षम स्टेशनों की संचयी संख्या	60			

4. भूजल प्रबंधन एवं विनियमन (जीडब्ल्यूएम एवं आर)[6] - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वितिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
290.00	1. भूजल संसाधनों को निरंतर बनाए रखना सुनिश्चित करने हेतु एक्वीफर मानचित्रण और प्रबंधन योजना तैयार करना।	1.1. कुल क्षेत्रफल (लाख वर्ग किमी में) जिसके लिए एक्वीफर मानचित्रण और प्रबंधन योजना तैयार की गई है	4.5	1. भूजल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन हेतु बेहतर डाटा / सूचना और जानकारी तैयार करना	1.1. ब्लॉक मूल्यांकन इकाइयों की संख्या जिसके लिए रिपोर्ट राज्यों के साथ साझा की जाती है।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
	2. भूजल स्तर और गुणवत्ता तथा इसके मूल्यांकन की स्थिति	2.1. सीजीडब्ल्यूबी के निगरानी नेटवर्क के माध्यम से भूजल स्तर की निगरानी की आवृत्ति (राज्य सरकार के विभागों के साथ अद्यतन और भारत-डब्ल्यूआरआईएस	4	2. राज्य के विभागों के साथ देश में भूजल परिदृश्य की अद्यतन जानकारी युक्त भूजल निगरानी रिपोर्ट साझा करना।	2.1. विभिन्न वेब पोर्टलों से रिपोर्ट / मानचित्रों के डाउनलोडों की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

[6] *वर्ष 2020-25 की अवधि के लिए प्रस्तावित जीडब्ल्यूएम और आर स्कीम के अंतर्गत स्प्रिंगशैड मानचित्रण और संवेदनशील स्प्रिंग के पुनरूद्धार को जलभृत मानचित्रण घटक के अंतर्गत शामिल किया गया है और वर्ष 2021-22 के लिए 11 स्प्रिंगशैड के लक्ष्य को प्रस्तावित किया गया है।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		वेब पोर्टल के माध्यम से एक वर्ष में साझा और अद्यतन की जाने वाली संख्या)				
		2.2. सीजीडब्ल्यूबी के निगरानी नेटवर्क के माध्यम से भूजल स्तर की निगरानी की आवृत्ति (एक वर्ष में की जाने वाली)	1		2.2. उन राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां के रिपोर्ट / मानचित्रण प्रसारित किए गए हैं।	32
		2.3. वर्ष 2020[7] तक देश का गतिशील भूजल संसाधनों का मूल्यांकन	0			
		2.4 भूजल के स्थायी प्रबंधन और हितधारकों को संवेदनशील करने के लिए डाटा / सूचना और ज्ञान के प्रसार हेतु आयोजित	400		2.3 जागरूकता अभियानों में प्रशिक्षित / उपस्थित लोगों की संख्या	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।

[7] *आकलन प्रत्येक तीन साल में किया जाता है, पिछला आकलन वित्त वर्ष 20-21 में किया गया था।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या।				
	3. भूजल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन के लिए भूजल विनियमन	3.1 जारी एनओसी की संख्या	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।	3. भूजल संसाधनों का न्यायसंगत उपयोग	3.1 वार्षिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करना[8]	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

5. राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एनएचपी) - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22	आउटकम 2021-22

[8] *एनओसी जारी होने के एक वर्ष बाद प्रस्तावकों द्वारा अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है। अनुपालन रिपोर्ट की संख्या उन प्रस्तावकों से संबंधित होगी, जिन्हें पिछले वर्षों में एनओसी जारी की गई है।*

2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
200.00	1. एकीकृत जल संसाधन सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	1.1. सतही जल के साथ-साथ भूजल पर जल आंकड़ो के अतिरिक्त रियल टाइम हाइड्रोमेट स्टेशनों की संख्या।	2,000	1. बेहतर जल संसाधन योजना और आकस्मिक घटनाओं में जानकारी आधारित निर्णय लेने के लिए जल संसाधनों की संवर्धित जानकारी उपलब्ध कराना।	1.1. ऑनलाइन डाटाबेस का यूजर आधार - पेशेवरों, शोधकर्ताओं, निर्णय निर्माताओं सहित यूजरों की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।[9]
		1.2. इंडिया डब्ल्यूआरआईएस के मौजूदा मॉड्यूल्स की बढ़ने वाली संख्या	10			
	2. हाइड्रो-मेट डाटा बेस को केंद्रीकृत करना	2.1. स्थापित रियलटाइम हाइड्रोमेट प्रणालियों की संख्या	3,000	2. नेटवर्क को मजबूत करना	2.1. हाइड्रोमेट मॉनिटरिंग सिस्टम को सुदृढ़ करने वाले राज्य की संख्या	5[10]
	3. चयनित बेसिनों में हाइड्रोलॉजिकल भविष्यवाणी प्रणाली विकास को आगे बढ़ाया	3.1. बेसिन की संख्या जिसके लिए बेसिक फ्रेमवर्क का काम पूरा हो चुका है।	3	3. जलाशयों के संचालन को इष्टतम करने के लिए बेसिन पैमाने पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक धारा पूर्वानुमान का विकास / सुधार।	3.1. बेसिनों के अंतर्गत जलाशयों के इष्टतम प्रचालन सहति इनकी संख्या।	0[11]

[9] उपयोगकर्ताओं की संख्या के लक्ष्य की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

[10] 5 और राज्यों में (1000 स्टेशन) आरटीडीएएस अनुबंध दिए जाएंगे।

[11] चूंकि 2023 में पूरा होने पर उपकरण का उपयोग बेसिन राज्यों की जिम्मेदारी होगी।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	जाना।					
	4. देश के चुने हुए बेसिनों में गाद ट्रांसपोर्ट मॉडलिंग और गाद प्रबंधन के साधनों का विकास।	4.1. बेसिनों की संख्या जिसके लिए गणितीय मॉडल विकसित किए गए हैं।	2	4. नदी आकृति विज्ञान की बेहतर समझ और नदियों तथा गाद द्वारा तलछट कटाव की रोकथाम	4.1. केंद्रीय और राज्य संगठनों द्वारा सहयोगात्मक रूप से गाद प्रबंधन के लिए बनाई गई / कार्यान्वित नीतियों की संख्या।	0[12]
	5. संस्थागत मजबूती	5.1. स्थापित अतिरिक्त डाटा केंद्रों की संख्या	6	5. जल संसाधन पेशेवरों की क्षमता निर्माण में बढ़ोत्तरी	5.1. प्रशिक्षित जल संसाधन पेशेवरों की संख्या	300
		5.2. आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	30			
	6. जल प्लावन भविष्यवाणी	6.1. अतिरिक्त लीड टाईम के साथ बाढ़ पूर्वानुमान के आधार पर जलप्लावन	2	6. बाढ़ पूर्वानुमान के लिए संवर्धित अनुक्रिया[13]	6.1. बाढ़ पूर्वानुमान के लिए लीड टाईम में वृद्धि। (घंटों में)[14]	72

[12] चूंकि उपकरण विकास 2021-22 के बाद पूरा हो जाएगा, इसलिए विभिन्न हितधारकों के साथ विस्तृत समीक्षा और परामर्श के बाद 2023-24 में नीति निर्माण संभव होगा।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	को स्थापित करना	मानचित्रण के लिए कवर किए जाने वाले बेसिनों की संख्या				

6. अवसंचरना विकास (आईडी) - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
20.00	1. भवनों का निर्माण और नवीनीकरण	1.1. सीडब्ल्यूसी के लिए निर्मित नए भवनों की संख्या	2	1. काम पूरा होने पर बेहतर काम का माहौल। काम पूरा होने पर मासिक किराए की	1.1. कर्मचारियों का संतुष्टि स्तर बढ़ाना।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा
		1.2 सीडब्ल्यूसी के लिए	2		1.2. कार्यालय भवन के निर्माण	

---

[13] नदियों में जल स्तर के अलावा, 2022-23 में प्रणाली के पूरा होने पर, संभावित अप्लावन का मानचित्रण सहित आप्लावन की गंभीरता से संवर्धित लीड टाईम को मौसम संबंधी मापदंडों के आधार पर पूर्वानुमान के मामले में बेहतर करना संभव होगा

[14] बेसलाईन – 24 घंटे तक की है।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		पुनर्निर्मित भवनों की संख्या		बचत।	से किराए में बचत। (बाजार भाव पर मासिक किराए के भुगतान पर बचत) (रुपए में)	सकते है ।
		1.3 सीजीडब्ल्यूबी के लिए निर्मित नए भवनों की संख्या	3			
		1.4 सीजीडब्ल्यूबी के लिए पुनर्निर्मित भवनों की संख्या	0			
	2. विभाग में लगभग 12 कमरों का नवीनीकरण	2.1 विभाग के (सीजीओ ब्लॉक-11 और श्रम शक्ति भवन) में पुननर्मित कमरों की संख्या	0			
	3. विभाग के अधीन सभी अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन	3.1 विभाग के अधीन सभी अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन। (100% फ़ाइलों को संसाधित करना)। (हां/नही)	जी, हां।	2. ई-ऑफिस के कार्यान्वयन से फाइलों का तेजी से निपटान।	2.1.ई-ऑफिस एप्लिकेशन का उपयोग करने वाले अधीनस्थ कार्यालयों के कर्मचारियों का प्रतिशत।	100%

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	4. विभाग के अंतर्गत छह संगठनों में ई-एचआरएमएस का कार्यान्वयन	4.1 संगठनों की संख्या जहां ई-एचआरएमएस लागू किया गया है।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।	3. मानव संसाधन की बेहतर निगरानी।	3.1. ऑनलाइन एपीएआर, ऑनलाइन अवकाश प्रबंधन सिस्टम, डिजिटाइज्ड सर्विस बुक आदि का उपयोग करके ई-एचआरएमएस के तहत नामांकित संगठनों में काम करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

7. अटल भूजल योजना - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
330.00	1. बेहतर भूजल की	1.1. निगरानी किए जाने वाले अतिरिक्त कुओं की संख्या	2000	1. समुदाय के बीच स्थानीय भूजल	1.1. बेहतर जागरूक समुदायों वाली ग्राम पंचायतों की संख्या	1670

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	निगरानी और आंकड़ों का प्रसार	1.2. प्रकाशित ब्लॉक-भूजल-वार रिपोर्टों की संख्या	100	परिदृश्य के बारे में बेहतर जागरूकता		
	2. समुदाय द्वारा चलाई जाने वाली जल सुरक्षा योजनाएं (तैयार की गई / अद्यतन	2.1. अंतिम रूप और अनुमोदित जल सुरक्षा योजनाओं की संख्या	1670	2. उपलब्ध जल के सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक योजनाएं।	2.1. स्वीकृत जल सुरक्षा योजनाओं के साथ ग्राम पंचायतों की संख्या	1670
	3. चल रही / नई योजनाओं को सम्मिलित करते हुए जल सुरक्षा योजनाओं	3.1. सम्मिलित करते हुए कार्यान्वित किए जाने वाले कार्यों (जल सुरक्षा योजना के अनुसार अनुमोदित) की संख्या ।	615	3. स्थायी जल प्रबंधन की सुविधा हेतु उपलब्ध निधियों का इष्टतम उपयोग	3.1. चल रही योजनाओं के तहत गतिविधियों को शामिल करना सुनिश्चित करने वाली ग्राम पंचायतों की संख्या	615

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	का सार्वजनिक वित्तपोषण					
	4. ड्रिप/ स्प्रिंकलर	4.1. ड्रिप / स्प्रिंकलर सिंचाई के तहत क्षेत्रफल में वृद्धि।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।	4. कृषि में बेहतर जल उपयोग दक्षता	4.1.संरक्षित जल की मात्रा[15]	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
					4.2. ड्रिप / स्प्रिंकलर सिंचाई का उपयोग करने वाले किसानों की संख्या।	5000
	5. फसल विविधीकरण	5.1. विविध फसलों वाले क्षेत्रफल में वृद्धि (हे.में)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।		4.3. विविध फसल उगाने वाले किसानों की संख्या।	5000
	6. कृषि प्रयोजनों के लिए फीडर	6.1. कृषि और गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए बिजली फीडरों के 100%	5		4.4. कृषि और गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए बिजली खपत के लेखांकन के 100% पृथक्करण	5

[15] *आंकड़े लेने की प्रणाली की अनुपस्थिति में, अपरिमेय गणनाओं की संख्या का उपयोग किया जाए।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	सहित ब्लॉक पृथक्करण।	पृथककरण के साथ ब्लॉकों की संख्या।[16]			के साथ ब्लॉकों की संख्या।	

8. अनुसंधान और विकास (आर एवं डी) तथा राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
29.50 ***आर एवं डी***: 21.50 ***एनडब्ल्यूएम*** : 8.00	क) ***अनुसंधान एवं विकास*** (***आर एवं डी***):					
	1. अनुसंधान और विकास	1.1. प्रकाशित अनुसंधान / तकनीकी रिपोर्टों की संख्या [17]	195	1. स्वदेशी रूप से विकसित बेहतर प्रौद्योगिकी का	1.1. क्षमता निर्माण सत्रों और अतिरिक्त सुविधाओं तथा	लक्ष्य निश्चित नही किए

[16] *अनुमान, राज्यस्तरीय योजनाओं पर आधारित हैं, जो कार्यान्वयन के दौरान गतिशील रूप से अलग हो सकते हैं।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	आधार को बढ़ाना	1.2. प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	305	उपयोग, बढ़े हुए अधिकारीगणऔर व्यापक अनुसंधान आधार का उपयोग	सृजित अनुसंधान के बुनियादी ढांचे द्वारा प्रशिक्षित लोगों की संख्या।	जा सकते है।
		1.3. आयोजित प्रशिक्षण और कार्यशालाएं	40		1.2. उच्च प्रभाव तकनीकी रिपोर्ट और अनुसंधान की संख्या (संदर्भों के आधार पर)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।
	*ख) **राष्ट्रीय जल मिशन** (**एनडब्ल्यूएम**)*					
	1. जल क्षेत्र में राज्य विशेष कार्य योजनाओं की तैयारी	1.1. तैयार की गई राज्य विशेष कार्य योजनाओं की संख्या	16	1. राज्य जल बजट की तैयारी	1.1 उन राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां अनुमोदन के बाद अंतिम एसएसएपी रिपोर्ट की सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु अग्रेषित किया गया।	10
		1.2. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां से प्रथम	14			

[17] *इसमें केन्द्रीय जल आयोग, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे, केन्द्रीय मृदा और सामग्री अनुसंधान स्टेशन, नई दिल्ली और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा तैयार रिपोर्ट शामिल हैं।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		स्तर (मसौदा स्तर) रिपोर्ट प्राप्त हो गई है				
		1.3. एसएसएपी पर अंतिम रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने वाले राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	10			
	2. मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण	2.1. आयोजित कार्यशालाओं / वेबिनार / सेमिनार / वार्ता आदि की संख्या	80	2. जल संरक्षण / जल उपयोग दक्षता के लिए विभिन्न हितधारकों की क्षमता निर्माण।	2.1 कार्यशालाओं / वेबिनार / सेमिनार / वार्ता आदि में भाग लेने वाले लाभार्थियों की संख्या जो लाभान्वित हुए।	5,00,000
		2.2. आयोजित मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	16		2.2 प्रशिक्षित लोगों की संख्या	1000
	3. जल उपयोग दक्षता (डब्ल्यूयूई) पर अध्ययन और	3.1. सिंचाई परियोजनाओं की संख्या जिनके लिए अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई है और जिसे डब्ल्यूयूई के मूल्यांकन	14	3. कृषि क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता में वृद्धि।	3.1. राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां बेसलाईन अध्ययनों की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों को कार्यान्वयन	5

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	कृषि क्षेत्र में डब्ल्यूयूई बढ़ाने की सिफारिशें।	के लिए बेसलाईन अध्ययन पर प्रस्तुत किया गया है			के लिए भेजा गया है।	
	4. जल उपयोग दक्षता (डब्ल्यूयूई) पर अध्ययन और औद्योगिक क्षेत्र में डब्ल्यूयूई बढ़ाने की सिफारिशें।	4.1 उद्योगों में डब्ल्यूईई (स्टील, थर्मल, टेक्सटाइल और पल्प एंड पेपर) के मूल्यांकन हेतु तैयार की गई अंतिम रिपोर्टों की संख्या जिन्हें बेंचमार्किंग अध्ययन के लिए तैयार कर प्रस्तुत किया गया।	1	4. औद्योगिक क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता में वृद्धि।	4.1. मंत्रालयों / विभागों / संगठनों की संख्या जहां बेसलाईन अध्ययनों की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों को कार्यान्वयन के लिए भेजा गया है।	12

9. राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (गंगा बेसिन के अलावा) - (केन्द्रीय प्रायोजित योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22	आउटकम 2021-22

2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
100.00	1. गैर-शोधित सीवेज को नदियों में प्रवेश को रोकने वाली सीवरेज प्रणाली	1.1 बिछाए गए सीवर नेटवर्क की लम्बाई (कि.मी.)	100	1. कच्चे सीवेज को जल निकायों, भूमि, आदि में प्रवेश करने की रोकथाम और इस प्रकार जल प्रदूषण को कम करना और पर्यावरणीय का संरक्षण करना	1.1 पता लगाए गए कच्चे अपशिष्ट/- चैनलबद्ध सृजित किए गए और शोधन के लिए एसटीपी को डायवर्ट की मात्रा (एमएलडी)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		1.2 सृजित की गई सीवेज शोधन क्षमता (एमएलडी)	155	2. जैविक प्रदूषण भार में कमी लाना	2.1 एसटीपी में सीवेज इनफ्लो और शोधन दक्षता की मात्रा (कि.ग्रा./प्रतिदिन)	23250
		1.3 शोधित अपशिष्ट (कि.मी.) के निपटान के लिए सृजित की गई अपशिष्ट चैनल की लम्बाई (2000 एमएमडाय)	2	3. शोधित अपशिष्ट जल का प्रभावी उपयोग, और इस प्रकार स्वच्छ जल संसाधनों पर पड़ने वाले भार में कमी लाना	3.1 पुन:प्रयोग/पुन:चक्रित लायक शोधित सीवेज की मात्रा (एमएलडी)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
	2. संचार और आउटरीच कार्य	2.1 आयोजित किए गए अभियानों की संख्या	3	4. नदियों के संरक्षण की आवश्यकता और जागरूकता	4.1 नदियों में प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किए गए व्यक्तियों (सामान्य जनता, विद्यार्थी और अन्य पणधारियों की संख्या)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
	3. लागत और समय की अधिकता का आकलन करने	3.1 सिविल कार्यों के साथ परियोजनाओं को पूरा करना	1			

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	के लिए परियोजना के पूरा करने की स्थिति					

10. नदी बेसिन प्रबंधन (आरबीएम) - (केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
199.00	***क) जल संसाधन विकास योजनाओं की जांच - राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी*** **: (एनडब्ल्यूडीए):**					
	1. पूरे किए गए प्राथमिक	1.1. केन-बेतवा लिंक परियोजना पोस्ट डीपीआर कार्यकलाप विशेष प्रयोजन वाहन का	किया गया	1. नदी परियोजनाओं के सभी	1.1 केन-बेतवा चरण- । और ।। परियोजना (पूर्णता पर) सीसीए (हे. में)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ता वाले लिंक / विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)	गठन और निर्माण के लिए तैयारी कार्य।[18] (किया गया/ नहीं किया गया)		इंटरलिंकिंग से सीसीए में बिजली उत्पादन और विभिन्न उपयोगों के लिए जल उपलब्ध कराने में दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त होंगे।[19]	एमपी: 653368 यूपी: 251064 कुल: 904432 उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की 62.94 लाख जनसंख्या के लिए कुल 228.9 एमसीएम पेयजल आपूर्ति बिजली उत्पादन: हाइड्रो: 103 मेगावाट सौर: 27 मेगावाट कुल बिजली उत्पादन: 130 मेगावाट	सकते है।[20]
		1.2. दमनगंगा-पिंजाल लिंक परियोजना: मंजूरी प्राप्त करना, एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए सरकार राज्यों के बीच आम सहमति बनाने	किया गया		1.2 दमनगंगा-पिंजाल लिंक (पूर्णता पर) पेयजल आपूर्ति - मुंबई शहर के लिए 579 एमसीएम (पिंजाल घटक को छोड़कर)	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।

[18] डीपीआर कार्यों के पश्चात शेष मंजूरियों को प्राप्त करना, उत्तर प्रदेश की तरफ चिह्नित भंडारण स्थलों का अतिरिक्त सर्वेक्षण करना, चरण -1 की डीपीआर में संशोधन। केबीएलपी के कार्यान्वयन के लिए स्पेशल परपज वहेकिल (एसपीवी) का गठन। केबीएलपी आदि के विभिन्न घटकों के निर्माण के लिए प्रारंभिक कार्यों को करना।

[19] सभी सांविधिक मंजूरियों के बाद ही निर्माण कार्य शुरू होगा और इसमें लगभग 6 से 8 साल लगेंगे। इसलिए, किसी भी आईएलआर परियोजना के कार्यान्वयन के बाद परिणाम मिलने शुरू होंगे।

[20] कार्यान्वयन शुरू होने के बाद, परियोजना से परिणामी संकेतकों में उल्लिखित लाभ प्राप्त होंगे। राज्यों के बीच बनने वाली आम सहमति पर ही लक्ष्य निर्भर रहते हैं।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		के लिए प्रयासों को करना (किया गया/ नहीं किया गया)			बिजली उत्पादन - 5 मेगावाट	
		1.3. पार-तापी-नर्मदा लिंक परियोजनाः सीईआईए अध्ययन को पूर्ण करना और मंजूरी प्राप्त करना, एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए पक्षकार राज्यों के बीच आम सहमति बनाने के लिए प्रयासों को करना (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.3. पार-तापी-नर्मदा लिंक परियोजना (पूर्णता पर) वार्षिक सिंचाई: गुजरात में सूखा प्रवण क्षेत्रों में 2.32 लाख हेक्टेयर पेयजल आपूर्ति: आदिवासी क्षेत्र सहित 76 एमसीएम बिजली उत्पादन: 21 मेगावाट	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।
		1.4. गोदावरी- कावेरी लिंक परियोजनाः इसके कार्यान्वयन और मंजूरी प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया शुरू करने आदि के लिए राज्यों के बीच सहमति प्राप्त करना। (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.4 गोदावरी-कावेरी (वैकल्पिक) लिंक परियोजना पूरा होने पर लाभ वार्षिक सिंचाई: 9.38 लाख हे नगरपालिका और औद्योगिक आवश्यकताएं: 905 एमसीएम।	

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.5. कोसी - मेची इंट्रा-स्टेट लिंक प्रोजेक्टः लिंक के कार्यान्वयन में बिहार राज्य की सहायता करना (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.5 कोसी - मेची इंट्रा-स्टेट लिंक प्रोजेक्ट पूरा होने पर लाभ वार्षिक सिंचाई: 214812 हे हाइड्रो पावर: शून्य पेय जल: शून्य औद्योगिक जल: शून्य	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		1.6. वैनगंगा-नलगंगा लिंकः महाराष्ट्र की टिप्पणियों के अनुसार डीपीआर में संशोधन जारी रहा। (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.6. वैनगंगा-नलगंगा लिंक (पूर्णेता पर) सीसीए: 3.71 लाख हे। पेय और औद्योगिक जल आपूर्ति: 429 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
	2. विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना	2.1. दती वरदा लिंक परियोजना जारी रहीः कर्नाटक और राज्यों के लिए संचलन सरकार द्वारा सुझाए गए विकल्पों सहित डीपीआर तैयार करना और अंतिम रूप देना। (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		2.1 बेदी वरदा लिंक परियोजना पूरा होने पर लाभ (पीएफआर के अनुसार) सिंचाई: 60,200 हे बिजली उत्पादन: 3.6 मेगा वाट	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		2.2. दमनगंगा (एकडारे) - गोदावरी इंट्रा-स्टेट लिंक प्रोजेक्टः डीपीआर तैयार करना और अंतिम रूप देना। (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		2.2 दमनगंगा (एकडारे) -गोदावरी घाटी लिंक परियोजना (पूर्णता पर) सीसीए: 16505 हे। घरेलू जल आपूर्ति: 22 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		2.3. दमनगंगा-वैतरणा-गोदावरी इंट्रा-स्टेट लिंक परियोजना जारी रहीः डीपीआर तैयार करना और अंतिम रूप देना।(किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		2.3 . दमनगंगा-वैतरण-गोदावरी घाटी लिंक परियोजना (पूर्णता पर) सीसीए: 15484 हे। पेय और औद्योगिक जल की आपूर्ति: 40एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		2.4. कावेरी - वैगाई - गुंडर लिंक परियोजनाः राज्य के परामर्श से पोस्ट डीपीआर गतिविधियां (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		2.4 कावेरी - वैगई - गुंडर लिंक परियोजना पूरा होने पर लाभ (डीपीआर के अनुसार) वार्षिक सिंचाई: 4.48 लाख हे घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति: 218 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		2.5. महानदी-गोदावरी लिंक परियोजनाः i)पार्टी राज्यों की टिप्पणियों /	किया गया		2.5महानदी (बरमूल) -गोदावरी (दोलिसवरम) लिंक पूरा होने पर लाभ (एफआर के अनुसार) वार्षिक सिंचाई: 4.43 लाख हे	लक्ष्य निश्चित नही

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		विचारों में भाग लेना और एफआर को अंतिम रूप देना ii) डीपीआर की तैयारी की जाएगी (किया गया/ नहीं किया गया)			घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति: 700 एमसीएम	किए जा सकते है ।
		2.6. मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा लिंक परियोजनाः i)पार्टी राज्यों की टिप्पणियों / विचारों में भाग लेना और एफआर को अंतिम रूप देना। ii) डीपीआर की तैयारी की जाएगी iii) आम सहमति में पहुंचने के लिए भूटान सरकार के साथ समझौता (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		2.6. मानस-संकोश- तीस्ता-गंगा लिंक (पूर्णता पर) सीसीए -3.41 लाख हे असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में टेल एंड पर दी जाने वाली मात्रा: 31224 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		2.7 पारबती-कुनो-सिंध लिंक परियोजना (ईआरसीपी के साथ पीकेसी का एकीकरण): डीपीआर की तैयारी की जाएगी (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		2.7 पारबती-कूनो-सिंध लिंक परियोजना (पूर्ण होने पर) वार्षिक सिंचाई - 1.67 लाख हे। घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति - 691 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर)	3.1 गंगा (एसटीजी) लिंक परियोजना की सोन बांध-दक्षिणी सहायक नदियाः एफआर की पूर्णता और राज्यों को इसका प्रचलन (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		3.1 गंगा (एसटीजी) लिंक परियोजना की सोन बांध-दक्षिणी सहायक नदियाँ पूरा होने पर लाभ (पीएफआर के अनुसार) सिंचाई: 3,07,000 हे बिजली उत्पादन: 95 मेगावाट घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति: 360 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		3.2 कोसी-घाघरा लिंक परियोजनाः एफआर की पूर्णता और राज्यों को इसका प्रचलन (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		3.2 कोसी-घाघरा लिंक पूरा होने पर लाभ (पीएफआर के अनुसार) सिंचाई: 3.07 लाख हेक्टेयर (नेपाल में 1.74 लाख हेक्टेयर सहित) घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति: 48 एमसीएम सिंचाई जल का उपयोग: 7291 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		3.3 गंडक- गंगा लिंक परियोजनाः एफआर की पूर्णता और राज्यों को इसका प्रचलन (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		3.3 गंडक-गंगा लिंक परियोजना पूरा होने पर लाभ (पीएफआर के अनुसार) सिंचाई: 40.40 लाख हेक्टेयर (नेपाल में 2.41 लाख हेक्टेयर सहित) बिजल उत्पादन : - 3245 मेगावाट घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति: 700 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
	ख) जल संसाधन विकास योजनाओं की जांच - केंद्रीय जल आयोगः					
	1. विस्तृत सर्वेक्षण और जांच के बाद परियोजनाओं की डीपीआर तैयार करना और जल विज्ञान, सिंचाई योजना	1.1. काटाखाल सिंचाई परियोजना, असम के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए अन्वेषण कार्यः क) हाइड्रोलॉजिकल अवलोकन ख) डायमंड कोर ड्रिलिंग और जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन कार्य ग) निर्माण सामग्री सर्वेक्षण घ) परियोजना क्षेत्रों / स्थानों में मिट्टी के नमूनों और	किया गया	1. जल संसाधन परियोजना की विकास और निष्पादन के लिए प्रथम चरण परियोजना की बैंकेबल विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी करना है। डीपीआर के	1.1 काटाखाल सिंचाई परियोजना, असम के निष्पादन के लिए प्रयोग किए गए बैंकेबल विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी परिकल्पित सीसीए-22,400 हे	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	पर्यावरण पहलुओं, फसल पैटर्न की आवश्यकता जल की आवश्यकता आदि पर अध्ययन। जारी प्रोजेक्ट: (1.1) कटखल सिंचाई परियोजना (1.2) तालवंग एचईपी (1.3) बैरिनियम	परीक्षणों का संग्रह ङ) डिजाइन और कंसल्टेंसी सेवाएं च) भूकंपीय अध्ययन छ) फाउंडेशन और मृदा सर्वेक्षण ज) पर्यावरण और पारिस्थितिक अध्ययन झ) संपत्ति सर्वेक्षण ञ) विभिन्न परियोजना घटकों के लिए लागत अनुमान तैयार करना ट) लाभ और वित्तीय पहलू, मानचित्र और रिपोर्ट तैयार करना ठ) डीपीआर के लिए तैयारी और जाँच (किया गया/ नहीं किया गया)		उपर आधारित राज्य या कोई अन्य ऐजेंसी परियोजना के निष्पादन कार्य ले सकती है।		

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	एचईपी जम्मू और कश्मीर					
		1.2.तालवंग हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, मिजोरम की डीपीआर की तैयारी की पूर्णताः क) परियोजना के बाएँ और दाएँ निरस्तीकरण पर बहती कार्य। ख) जीएसआई द्वारा कोर-लॉगिंग और अन्य अन्वेषण कार्य। ग) डीपीआर को पूरा करना (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.2 तलावंग एचईपी, मिजोरम के निष्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली बैंकेबल विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी बिजली उत्पादन क्षमता की परिकल्पना – 54 मेगावाट	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।
		1.3 बैरिनियम एचईपी, जम्मू और कश्मीर के लिए डीपीआर की तैयारी के लिए अन्वेषण कार्यः क) यूएवी का उपयोग करते हुए स्थलाकृतिक सर्वेक्षण ख) डैम एरिया, पावर हाउस और	किया गया		1.3 क्षेत्र सर्वेक्षण और अन्वेषण और बैरिनियम एचईपी, जम्मू और कश्मीर के डीपीआर के विभिन्न अध्यायों के लेखन का कार्य पूरा करना।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		वॉटर कंडक्टर सुरंगों के लिए खोजपूर्ण ड्रिलिंग ग) डैम एब्यूमेंट्स एंड पावर हाउस में स्थानांतरण घ) निर्माण सामग्री सर्वेक्षण ङ) पावर पोटेंशियल स्टडीज च) विस्तृत भूवैज्ञानिक मानचित्रण छ) सर्वेक्षण और अन्वेषण के आधार पर डिजाइन ज्ञापन और डिजाइन चित्र तैयार करना। ज) मात्रा अनुमान और लागत अनुमान तैयार करना। झ) डीपीआर के विभिन्न अध्यायों और संस्करणों का लेखन। (किया गया/ नहीं किया गया)			परिकल्पित बिजली उत्पादन क्षमता - 240 (2 x 120) मेगावाट	

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	2. संकोश बेसिन में भूकंपीय प्रेक्षण	2.1 भूकंपीय प्रेक्षणों की निरंतरताः क) भूटान में 4 स्थानों पर नए सीस्मोलॉजिकल उपकरण की स्थापना और दोषपूर्ण उपकरणों के स्थान पर नए उपकरणों की स्थापना के लिए भूटान की रॉयल सरकार की सहमति प्राप्त करना। ख) भारत में एक नए सीस्मोलॉजिकल स्टेशन की स्थापना और 1 सीस्मोलॉजिकल स्टेशन पर दोषपूर्ण उपकरणों के स्थान पर नए उपकरणों की स्थापना। (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया	2. संकोश बेसिन में किए जाने वाले भूकंपीय प्रेक्षण संकोश बहुउद्देशीय परियोजना का इष्टतम डिजाइन.	2.1 संकोश बहुउद्देशीय के आसपास के क्षेत्र में 6 स्थानों पर भूवैज्ञानिक प्रेक्षण (भारत में 2 और भूटान में 4) की निरंतरता (नहीं किया गया / किया गया)	किया गया
	ग) ब्रह्मपुत्र बोर्ड:					

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	1. चल रहे / नए कटाव, जल निकासी विकास कार्यों को पूरा करना	1.1. उन स्थानों पर जहां तट सुरक्षा कार्य निष्पादित किए जाएंगे	6	1. बाढ़ और कटाव के खिलाफ सुरक्षा में वृद्धि, जल निकासी में कमी और कृषि भूमि के पुनर्विकास के लिए एक बेहतर बुनियादी ढांचा / कार्य करने के लिए वातावरण,	1.1. मेघालय के बालट गांव के उमंगी नदी की बाढ़ और कटाव से सुरक्षित की गई भूमि का क्षेत्र (हे.में)	300
					1.2. उमंगी नदी की बाढ़ और कटाव से सुरक्षित मेघालय के बालट गांव के लोगों की संख्या	3250
					1.3. असम के तिनसुकिया जिले में धौला हेटघुली क्षेत्र में गांवों का संरक्षण	11
					1.4. असम के तिनसुकिया जिले में धौला हेतु घुली में क्षेत्र का संरक्षण (हे.में)	2400

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
				स्वदेशी जल प्रबंधन प्रथाओं में सुधार और नदी के पास कुछ ऐतिहासिक महत्वपूर्ण स्थानों की पर्यावरणीय स्थिति में सुधार	1.5. कलियर-आल्गा इंडो-बंगला बॉर्डर (आईबीबी) लिंक रोड पर सिसुमराओ बीओपी की सुरक्षा और असम के दक्षिण सलमारमांचार जिले में इंडो-बंगला बॉर्डर फेंसिंग। (किया गया / नहीं किया गया)	किया गया
					1.6. कूच बिहार जिले के पश्चिम बंगाल में भजनेरचरा, निशिगंज क्षेत्र में संरक्षित भूमि का क्षेत्र (हे. में)	115
					1.7. भजेनरचारा, निशीगंज क्षेत्र कूच बिहार जिले, पश्चिम बंगाल में लाभार्थियों की संख्या	2500
		1.2 उत्तर पूर्व जल संसाधन डेटा सेंटर की स्थापना- डेटा सेंटर-रोडमैप (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.8. योजनाओं / परियोजनाओं और वैज्ञानिक और अनुसंधान की तैयारी के लिए एनईआर के जल संसाधन डेटा के लिए एकल विडो सुविधा (नहीं किया गया/किया गया)	नहीं किया गया[21]

[21] *चूंकि इस वर्ष रोडमैप तैयार किया जा रहा है. स्थापना पूरी की जानी विनियोजित नहीं है।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.3 अपातानी लोग-एनई क्षेत्र के स्वदेशी लोगों के जल प्रबंधन प्रथाओं का वैज्ञानिक प्रसार और सुधार (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.9 अरुणाचल प्रदेश के जीरो वैली में अपातानी लोगों की पारंपरिक प्रथाओं को अपग्रेड और लोकप्रिय बनाना (नहीं किया गया/किया गया)	किया गया
		1.4 माजुली में कमलाबारीघाट का विकास -माजुली के लोगों और माजुली के आगंतुकों के लिए सुविधाओं में सुधार और ब्रह्मपुत्र नदी के जल के कारण कटाव से तट की रक्षा (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		1.10 कमलाबाड़ीघाट क्षेत्र को ब्रह्मपुत्र नदी के कटाव से बचाना (नहीं किया गया/किया गया)	किया गया
	2. बाढ़ नियंत्रण, तट	2.1. मास्टर प्लान तैयार / संशोधित किए गए की संख्या	6[22]		2.1 15 गांवों में कुल 6158 हे क्षेत्र बाढ़ और कटाव से भूमि संरक्षण के अंतर्गत आता है। बाढ़ और कटाव से भूमि संरक्षण से कुल अनुमानित	0[23]

[22] *दारेंग, उनसोहरीन्गेक्यू, गानोल, उमतरू, उमंगी वाईखाइरवी।*

[23] *जल संसाधन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए डीपीआर को तैयार करने के लिए बेसिन डाटा/प्रारंभिक संदर्भ।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	कटाव और जल निकासी के साथ-साथ सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित नदी बेसिन मास्टर प्लान तैयार करना। ड्रेनेज विकास योजनाओं				आर्थिक लाभ 224.95 लाख रूपये है जिन परियोजनाओं के लिए मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं उनसे कुल 10085 हे सिंचाई क्षमता बनाई जाएगी।	
		2.2. तैयार / संशोधित की गई डीडीएस की डीपीआर की संख्या	1		2.2 त्रिपुरा के धर्मनगर जिले में क्षेत्र का डे-कंजेशन (हे.में)।	200
		2.3. एमपी प्रोजेक्ट के लिए डीपीआर की संख्या	1		2.3 एसेट्स के रनिंग और रखरखाव की निरंतरता (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया
		2.4. नेहरी के उन्नयन और संचालन की निरंतरता (किया गया/ नहीं किया गया)	किया गया		2.4 वह क्षेत्र जहां परियोजना पूरा होने पर असम के नलबरी जिले में बारभाग क्षेत्र में ड्रेनेज कंजेशन में कमी आएगी-6250 हे. ।	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।[24]
		2.5. बोर्ड द्वारा बनाई गई परिसंपत्तियों के अनुसंधान और विकास की निरंतरता	किया गया			

[24] *परियोजना पूरा होने पर लागू।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	का डीपीआर बहुउद्देशीय परियोजनाओं की डीपीआर तैयार करना।	(किया गया/ नहीं किया गया)				
		2.6. भौतिक प्रगति - बारबाग डीडीएस के स्लूस का निर्माण	30%			
		2.7. संशोधित डीपीआर का अनुमोदन और प्रतिशत भौतिक प्रगति - अमजूर डीडीएस के स्लूस का निर्माण	15%		2.5 वह क्षेत्र जहां परियोजना पूरा होने पर अमजूर तंत्र में ड्रेनेज कंजेशन में कमी आएगी- 7200 हे.	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है ।[24]
		2.8. माजुली द्वीप के संरक्षण का कार्य करने के लिए बोर्ड के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निर्माण कर्य की भौतिक प्रगति	30%			

11. मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण (एचआरडी और सीडी) -(केन्द्रीय क्षेत्र योजना):

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22	आउटकम 2021-22

2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
29.50	**क) नेरीवलम, तेजपुर:**					
	1. क्षमता निर्माण, जागरूकता गतिविधियों और अनुसंधान और विकास के लिए समर्थन	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	55	1. जल संसाधन पेशेवरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, ज्ञान का उन्नयन / कौशल	1.1. भूजल प्रबंधन में प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या	60
		1.2. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	1			
		1.3. सेमिनार / कार्यशालाओं / सम्मेलन / विशेष दिनों की संख्या का आयोजन किया	6		1.2 प्रकाशनों की संख्या	6
		1.4. मीडिया प्रचार अभियान, विज्ञापन प्रचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनियों में भागीदारी आदि जैसे आउटरीच गतिविधियों की संख्या।	5		1.3 सतत् जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या	1950
		1.5. आदिवासी क्षेत्रों / बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियान की संख्या	6		1.4 सतत् जल प्रबंधन के लिए तरीकों / सर्वोत्तम प्रथाओं पर जागरूकता सृजन गतिविधियों के	600

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.6. एएसटीयू के संबद्धता के तहत जल संसाधन प्रबंधन पाठ्यक्रम में एम टेक में प्रमाणित छात्रों और अधिकारियों की संख्या।	9		माध्यम से कवर की गई जनजातीय आबादी की संख्या	
	ख) केंद्रीय जल आयोग और राष्ट्रीय जल अकादमी (एनडब्ल्यूए), पुणे:					
	1. क्षमता निर्माण, जागरूकता गतिविधियों और अनुसंधान और विकास के लिए समर्थन	1.1. एनडब्ल्यूए द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या-	32	1. जल संसाधन पेशेवरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, ज्ञान का उन्नयन / कौशल	1.1. एनडब्ल्यूए प्रशिक्षण में सतत् जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या।	800
		1.2. सीडब्ल्यूसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	10		1.2. सीडब्ल्यूसी प्रशिक्षण में सतत् जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या।	100
		1.3. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	1		1.3. सतत् जल प्रबंधन के लिए तरीकों / सर्वोत्तम प्रथाओं पर जागरूकता सृजन गतिविधियों के माध्यम से कवर की गई जनजातीय आबादी की संख्या	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते है।
		1.4. आयोजित प्रशिक्षण	1750		1.4. अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय	80

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		शामिल सदस्य			एजेंसियों द्वारा आयोजित कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिनियुक्त सीडब्ल्यूसी अधिकारियों की संख्या	
		1.5. आदिवासी क्षेत्रों / बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियान की संख्या	1		1.5. आईआईटी, रुड़की में एक वर्षीय पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिनियुक्त अधिकारियों की सफलतापूर्वक पीजी डिप्लोमा पूरा करने और प्राप्त करने की संख्या।	4
		1.6. अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा अंगीकृत कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलनों की संख्या जहाँ सीडब्ल्यूसी अधिकारी क्षमता निर्माण के लिए भाग लेते हैं।	20			
		1.7. रुड़की के आईआईटी में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए प्रतिनियुक्त अधिकारियों	4			

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		की संख्या				
	ग) राजीव गांधी राष्ट्रीय भूजल प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनजीडब्ल्यूटीआरआई):					
	1. क्षमता निर्माण, जागरूकता गतिविधियों और अनुसंधान और विकास के लिए समर्थन	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	130[25]	1. जल संसाधन पेशेवरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, ज्ञान का उन्नयन / कौशल	1.1. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के माध्यम से सतत् भूजल प्रबंधन में प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या।	7600[26]
		1.2. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	0		1.2. प्रकाशनों की संख्या	05
		1.3. भूजल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास अध्ययन से उत्पन्न रिपोर्ट की संख्या।	02			
	घ) जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण का प्रशिक्षण:					
	1. जल संसाधन	1.1. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या[27]	लक्ष्य निश्चित नही	1. जल संसाधन नियोजन, विकास और	1.1. इस क्षेत्र में प्रशिक्षित अधिकारियों / अधिकारियों /	200

25 टियर- I: 60, टियर- II: 20, टियर- III: 50, कुल: 130 प्रस्ताव

26 टियर- I: 1200, टियर- II: 400, टियर- III: 6000, कुल: 7600 प्रस्ताव

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	नियोजन, विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में जल संसाधन पेशेवरों के साथ-साथ गैर-तकनीकी कर्मचारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, ज्ञान और कौशल		किए जा सकते है ।	प्रबंधन के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने, जल संसाधन पेशेवरों के साथ-साथ (गैर-तकनीकी) के ज्ञान और कौशल का उन्नयन, जिससे भारत में जल संसाधनों के सतत विकास और संरक्षण में योगदान हो।	कर्मियों की संख्या।	

[27] - *उन अधिकारियों / अधिकारियों के लिए उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन करना जो नव पदस्थ हैं। (ii) कार्यस्थल पर नौकरी के प्रशिक्षण में / घर में आचरण करना। (iii) विषयगत प्रशिक्षणों के लिए अधिकारियों / अधिकारियों की तैनाती करना (सीएसएस), सीएसएसएस के विभिन्न स्तर के अधिकारियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईएसटीएम और अन्य संवर्ग संस्थानों में केंद्रीय कर्मचारी योजना (v) लघु अवधि के प्रशिक्षण जैसे नेतृत्व विकास, तनाव प्रबंधन, नैतिकता और एएससीआई, आईआईएम (सी) और आईआईएम, अहमदाबाद आदि में अल्पकालिक प्रशिक्षण पर अधिकारियों / अधिकारियों की तैनाती (vi) एनआईएच, रूड़की, एनडब्ल्यूए, पुणे और नेरीवलम में जल क्षेत्र में प्रशिक्षण, उन्नत कंप्यूटर पाठ्यक्रम, ई-ऑफिस, ई-गवर्नेंस।*

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	का उन्नयन, जिससे भारत में जल संसाधनों के सतत विकास और संरक्षण में योगदान हो।					
	ङ) आईईसी:					
	1. 1. "अखिल भारतीय आधार पर जल	1.1. आयोजित कार्यशालाओं / सेमिनारों की संख्या	7	1. जल संसाधनों और संरक्षण के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना,	1.1. लाभ ग्राहियों की संख्या	लक्ष्य निश्चित नही किए जा सकते
		1.2. प्रिंट मीडिया में जारी विज्ञापनों की संख्या	3			

वित्तिय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2021-22			आउटकम 2021-22		
2021-22	आउटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	आउटकम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर जन जागरूकता"	1.3. संगोष्ठी / सम्मेलन / विशेष दिनों का आयोजन	5	ज्ञान और कौशल का उन्नयन		है।
		1.4. प्रिंट मीडिया में जारी विज्ञापनों की संख्या	5			
		1.5. उत्पादित रेडियो जिंगल्स / वीडियो स्पॉट / टीवीसी आदि की संख्या	5			
		1.6. प्रदर्शनी / मेले और प्रतियोगिताओं के आयोजन की संख्या	5			
		1.7. बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रमों / कार्यक्रमों की संख्या।	2			
		1.8. बाहरी प्रचार गतिविधियों की संख्या	6			
		1.9. जनजातीय क्षेत्रों में संचालित जागरूकता गतिविधियों की संख्या।	2			

***